श्री वेंकटेश्वर कॉलेज

दिल्ली विश्वविद्यालय

"हीरक जयंती {60 वीं वर्षगांठ}"

के उपलक्ष्य में हिंदी विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार

"दक्षिण भारत का हिंदी साहित्य: विविध आयाम" में

आप सादर आमंत्रित हैं।

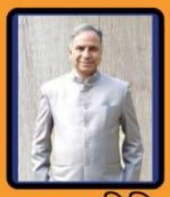

मुख्य अतिथि
श्री अनिल कुमार शर्मा
उपाध्यक्ष ,केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल ,आगरा

विषय प्रवर्तक
प्रो.प्रमोद कोवप्रत
आचार्य एवं अध्यक्ष
हिंदी विभाग कालीकट विश्वविद्यालय, केरल

प्रो. कामकोटी
आचार्य एवं अध्यक्ष हिंदी विभाग
अण्णामलै विश्वविद्यालय, तमिलनाडु

प्रो.के श्रीलता
आचार्य एवं अध्यक्ष
श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय ,केरल

प्रो. आर. एस. सर्राजु
पूर्व अध्यक्ष हिंदी विभाग
हैदराबाद विश्वविद्यालय, आंध्रप्रदेश

डॉ. पेरीसेट्टी श्रीनिवासराव
दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, आंध्र प्रदेश

डॉ. नामदेव गौड़ा
हिन्दी विभाग
कर्नाटक राज्य अक्कमहादेवी विश्वविद्यालय ,कर्नाटक

दिनांक 1 सितंबर 2021 बुधवार
समय: प्रात 10:30 बजे

प्रभारी
डॉ.ऋचा मिश्र

प्राचार्या
प्रो.सी. शीला रेड्डी

श्री वेंकटेश्वर कॉलेज

दिल्ली विश्वविद्यालय

"हीरक जयंती {60 वीं वर्षगांठ}"

के उपलक्ष्य में हिंदी विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार

"दक्षिण भारत का हिंदी साहित्य: विविध आयाम" में

आप सादर आमंत्रित हैं।

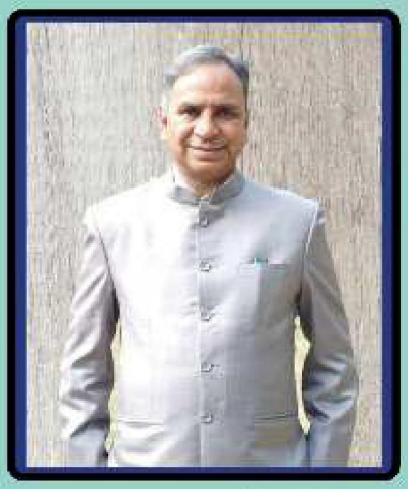

मुख्य अतिथि

श्री अनिल कुमार शर्मा

उपाध्यक्ष, केंद्रीय हिन्दी
शिक्षण मंडल, आगरा

दिनांक 1 सितंबर 2021 बुधवार
समय: प्रात 10:30 बजे

प्रभारी
डॉ.ऋचा मिश्र

प्राचार्या
प्रो.सी. शीला रेड्डी

श्री वेंकटेश्वर कॉलेज

दिल्ली विश्वविद्यालय

"हीरक जयंती {60 वीं वर्षगांठ}"

के उपलक्ष्य में हिंदी विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार

"दक्षिण भारत का हिंदी साहित्य: विविध आयाम" में

आप सादर आमंत्रित हैं।

बीज वक्तव्य

प्रो. प्रमोद कोवप्रत

आचार्य एवं अध्यक्ष
हिन्दी विभाग कालिकट
विश्वविद्यालय ,केरल

दिनांक 1 सितंबर 2021 बुधवार
समय: प्रात 10:30 बजे

प्रभारी
डॉ.ऋचा मिश्र

प्राचार्या
प्रो.सी. शीला रेड्डी

श्री वेंकटेश्वर कॉलेज

दिल्ली विश्वविद्यालय

"हीरक जयंती {60 वीं वर्षगांठ}"

के उपलक्ष्य में हिंदी विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार

"दक्षिण भारत का हिंदी साहित्य: विविध आयाम" में

आप सादर आमंत्रित हैं।

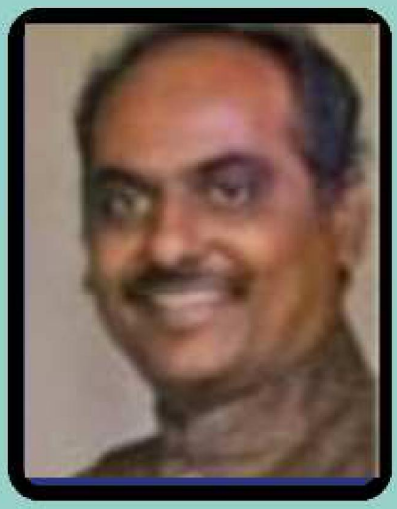

डॉ. पेरीसेट्टी श्रीनिवासराव

दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा,
आंध्र प्रदेश

विषय : तेलुगु के हिन्दी साहित्यकार : एक विहंगावलोकन

दिनांक 1 सितंबर 2021 बुधवार

समय: प्रात 10:30 बजे

प्रभारी
डॉ.ऋचा मिश्र

प्राचार्या
प्रो.सी. शीला रेड्डी

श्री वेंकटेश्वर कॉलेज

दिल्ली विश्वविद्यालय

"हीरक जयंती {60 वीं वर्षगांठ}"

के उपलक्ष्य में हिंदी विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार

"दक्षिण भारत का हिंदी साहित्य: विविध आयाम" में

आप सादर आमंत्रित हैं।

प्रो.के श्रीलता

आचार्य एवं अध्यक्ष
श्री शंकराचार्य संस्कृत
विश्वविद्यालय ,केरल

विषय : केरल का हिन्दी काव्य

दिनांक 1 सितंबर 2021 बुधवार
समय: प्रात 10:30 बजे

प्रभारी
डॉ.ऋचा मिश्र

प्राचार्या
प्रो.सी. शीला रेड्डी

श्री वेंकटेश्वर कॉलेज

दिल्ली विश्वविद्यालय

"हीरक जयंती {60 वीं वर्षगांठ}"

के उपलक्ष्य में हिंदी विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार

"दक्षिण भारत का हिंदी साहित्य: विविध आयाम" में

आप सादर आमंत्रित हैं।

डॉ. नामदेव गौड़ा

हिन्दी विभाग

कर्नाटक राज्य अक्कमहादेवी

विश्वविद्यालय ,कर्नाटक

विषय : कर्नाटक में हिन्दी साहित्य

दिनांक 1 सितंबर 2021 बुधवार

समय: प्रात 10:30 बजे

प्रभारी
डॉ.ऋचा मिश्र

प्राचार्या
प्रो.सी. शीला रेड्डी

श्री वेंकटेश्वर कॉलेज

दिल्ली विश्वविद्यालय

"हीरक जयंती {60 वीं वर्षगांठ}"

के उपलक्ष्य में हिंदी विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार
"दक्षिण भारत का हिंदी साहित्य: विविध आयाम" में

आप सादर आमंत्रित हैं।

प्रो. कामकोटी
आचार्य एवं अध्यक्ष हिंदी विभाग
अण्णामलै विश्वविद्यालय,
तमिलनाडु

विषय : तमिलनाडु में हिन्दी साहित्य

दिनांक 1 सितंबर 2021 बुधवार
समय: प्रात 10:30 बजे

प्रभारी
डॉ.ऋचा मिश्र

प्राचार्या
प्रो.सी. शीला रेड्डी

श्री वेंकटेश्वर कॉलेज

दिल्ली विश्वविद्यालय

"हीरक जयंती {60 वीं वर्षगांठ}"

के उपलक्ष्य में हिंदी विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार

"दक्षिण भारत का हिंदी साहित्य: विविध आयाम" में

आप सादर आमंत्रित हैं।

प्रो. आर. एस. सर्राजु
पूर्व अध्यक्ष हिंदी विभाग
हैदराबाद विश्वविद्यालय, आंध्रप्रदेश

विषय : हिन्दी- तेलुगु में आदान- प्रदान तथा अनुवाद प्रक्रिया

दिनांक 1 सितंबर 2021 बुधवार
समय: प्रात 10:30 बजे

प्रभारी
डॉ.ऋचा मिश्र

प्राचार्या
प्रो.सी. शीला रेड्डी

श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय

हिन्दी विभाग द्वारा महाविद्यालय के स्थापना दिवस की **हीरक जयंती** के उपलक्ष्य में एक दिवसीय (1 सितम्बर) राष्ट्रीय वेबिनार आयोजन :

विषय- दक्षिण भारत का हिन्दी साहित्य : विविध आयाम

अवधारणा पत्र

साहित्य में अन्तर्निहित 'सहित' की भावना उसे समग्रता परक सम्पन्नता से जोड़कर मानव मात्र को उदात्त भावभूमि प्रदान करने वाली ऐसी ऊर्जा से संपृक्त करती है, जो अपनी व्याप्ति में प्रत्येक हृदय को सकारात्मकता से भरने का सामर्थ्य रखती है। दक्षिण का हिन्दी साहित्य भी इसका अपवाद नहीं है।

हिन्दी साहित्य के इन्द्रधनुषी विस्तार में भारत के सभी प्रदेशों के मनीषियों, विचारकों, भाषा प्रेमियों, समाज सुधारकों, तथा विविध भाषा भाषियों जैसे दयानंद सरस्वती, महात्मा गाँधी, केशव चंद्र सेन, चक्रवर्ती राजगोपालाचारी, अंबेडकर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, आदि ने विशिष्ट भूमिका निभाई। हिन्दी भाषा और साहित्य के आरंभिक विकास में मराठी संत कवियों एवं अमीर खुसरो जैसे विविध भाषा भाषियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भक्ति की धारा दक्षिण से उत्तर भारत की ओर प्रवाहित हुई। श्रीवल्लभाचार्य एवं दक्षिण के अन्य कई आचार्यों ने सम्पूर्ण भारत में भक्ति आंदोलन का प्रचार प्रसार किया। आधुनिक काल में हिन्दी और दक्षिण भारतीय भाषाओं के अंतर्गत तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम आदि की श्रेष्ठ रचनाएँ हिन्दी में अनूदित की गईं और हिन्दी की श्रेष्ठ रचनाएँ भी दक्षिण की भाषाओं में अनूदित हुईं। इससे एक ओर भावात्मक एकता को बल मिला और दक्षिण का साहित्य सर्वसुलभ हो सका। आधुनिक हिन्दी साहित्य के निर्माण में दक्षिण भारतीय हिन्दी रचनाशीलता का बड़ा योगदान है, जिस पर व्यापक चिंतन और संवाद की ज़रूरत है। जहाँ अनुवाद के क्षेत्र में प्रो. राम निरंजन पांडेय, प्रो. सुंदर रेड्डी, प्रो. भीमसेन निर्मल, प्रो. आदेश्वर राव, डॉ. बालशौरि रेड्डी, प्रो. विश्वनाथ अय्यर,

प्रो.प्रभाशंकरप्रेमी,प्रो.रामानायुडु,प्रो.वै.लक्ष्मीप्रसाद,प्रो.तेजस्वीकट्टिमणि, डॉ.शेषन आदि का महत्वपूर्ण योगदान दिखाई देता है, वहीं शोधपरक आलोचना के क्षेत्र में प्रो.आई. पाण्डुरंगा राव, प्रो.आदेश्वर राव, डॉ.विश्वनाथ, प्रो.संजीवा, प्रो.रामुलु, प्रो.इकबाल एवं कई अन्य विद्वानों का कार्य महत्वपूर्ण है। उपन्यास और कहानी के क्षेत्र में अरिगपूडि जी, डॉ. बालशौरी रेड्डी, श्रीमती दीप्ति खण्डेलवाल एवं इब्राहीम शरीफ, आचार्य एम. एस. कृष्णमूर्ति, डॉ. रामन नायर, डॉ. किशोरीलाल व्यास, गुणमाला सोमानी, नेपाल सिंह वर्मा, प्रो. टी. मोहन सिंह, प्रो. रोहिताश्व, डॉ. कृष्णवल्लभ, डॉ. गोविंद शेनाय आदि विद्वान रचनाकारों ने अपने मौलिक लेखन के द्वारा हिन्दी साहित्य को समृद्ध किया । काव्य सृजन के क्षेत्र में सर्वश्री प्रो. सरगृ कृष्णमूर्ति, प्रो. आदेश्वर राव, शैल बाला, कमल प्रसाद कमल, शशिनारायण स्वाधीन, प्रो. अरविंदाक्षन, डॉ. येवोलु शेषगिरि राव आदि का योगदान महत्वपूर्ण है।

निबंध और आलोचना के क्षेत्र में प्रो. बी. सत्यनारायण, प्रो. गोपिनाथन, प्रो. एम. वेंकटेश्वर, प्रो. किशोरीलाल व्यास, प्रो. माणिक्यांबा. प्रो.बी.कृष्ण, प्रो. सर्राजु, प्रो. धर्मपाल पीहल, प्रो. चुलकी मठ, प्रो. तेजस्वी कट्टिमणी, प्रो. टी. आर. भट्ट. प्रो. अरविंदाक्षण, प्रो.तंकमणि अम्मा, डॉ.आई. पांडुरंगासव, प्रो. कुज मेत्तर, प्रो. रामानायुडु, डॉ. शेषन, प्रो. विश्वनाथ अय्यर, प्रो, शिवराम रेड्डी, प्रो. चंद्रशेखर रेड्डी, प्रो. पदमजा, प्रो. वै. वेंकट रमण राव प्रो. एस. टी. नरसिंहाचारी, प्रो. सरगु कृष्ण मूर्ति आदि के योगदान को नहीं भुलाया जा सकता। जहाँ तक दक्षिण से प्रकाशित होने वाली पत्र पत्रिकाओं की बात है तो 'अध्येय', 'अजंत विवरण' पत्रिका, 'पूर्ण कुंभ', 'भारत वाणी', 'सवंती', 'बहुवीही', 'बसव मार्ग', 'हिंदी संवाद सेतु', 'राष्ट्र नायक', हैदराबाद से प्रकाशित 'भास्वर भारत' आदि पत्र पत्रिकाओं का योगदान अमूल्य है।

व्यापक स्तर पर मौजूद दक्षिण की इस हिन्दी रचनाशीलता को केंद्र में रखकर उस पर चिंतन एवं विवेचन, उसका विश्लेषण और मूल्याङ्कन करते हुए दक्षिण के हिन्दी सेवियों, विद्वानों और चिंतकों के अवदान को प्रकाश में लाना इस राष्ट्रीय वेबिनार का लक्ष्य है। इस राष्ट्रीय वेबिनार के लिए कुछ प्रस्तावित विषय निम्नलिखित हैं:-

1.दक्षिण में हिन्दी के प्रारम्भिक विकास का ऐतिहासिक विकासपरक मूल्यांकन(क्षेत्रपरक/विधापरक/भाषावैज्ञानिक)
2. दक्खिनी हिन्दी : एक विशिष्ट शैली
3.तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम, आदि में हिन्दी का अनूदित साहित्य
4.दक्षिण में हिंदी के साहित्य के विकास में विभिन्न पत्रिकाओं का योगदान
5.दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा का योगदान आदि

गोष्ठी से संबंधित गतिविधियों की स्मारिका/ग्रन्थ प्रकाशित करने का प्रस्ताव है जिसमें सम्मिलित विद्वानों के अतिरिक्त अन्य साहित्य विशेषज्ञों, शोधार्थियों पाठकों तथा जिज्ञासुओं से शोध आलेख आमन्त्रित किये जा रहे हैं। आपके बहमूल्य योगदान की हमें प्रतीक्षा रहेगी।स्वरचित, मौलिक व अप्रकाशित आलेख (शब्द-सीमा 2000) 10 सितम्बर तक भेजे जा सकते हैं।

शोध आलेख भेजने के लिए ईमेल-
richamisra62@gmail.com

संपर्क- डॉ. अर्चना
मो. नं - 8810261967